# बाढ़ से प्रभावित गुना का दौरा करने पहुंचे जीतू पटवारी

## 8 दिनों में मुआवजा नहीं मिला तो गुना में होगा इतिहास का सबसे बड़ा चक्काजाम

नवभारत न्यूज

**गुना।** जिले में आई भीषण बाढ़ और तबाही के बाद शुक्रवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह, बमौरी विधायक इंजी. ऋषि अग्रवाल और कांग्रेस जिला अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ के साथ गुना शहर के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने न्यू सिटी कॉलोनी सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया और पीड़ितों से मुलाकात की। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने न्यू सिटी कॉलोनी में लोगों की पीड़ा सुनते हुए पार्टी जिला अध्यक्ष को निर्देश दिए कि प्रभावित लोगों का सर्वे कराया जाए और कलेक्ट्रेट का घेराव कर आंदोलन किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इसके बाद भी 8 दिनों के भीतर प्रशासन पीड़ितों को मुआवजा नहीं देता है, तो वह खुद गुना आकर इतिहास का सबसे बड़ा चक्काजाम

और आंदोलन करेंगे। जिसकी जिम्मेदारी भाजपा की मोहन सरकार और गुना जिला प्रशासन होगी। जीतू पटवारी ने जिला प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा है कि यह प्राकृतिक आपदा के साथ-साथ सरकारी अत्याचार भी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गोपालपुरा बांध से पानी छोडऩे से पहले आम लोगों को सतर्क करना चाहिए था और नगरपालिका को इसकी घोषणा करवानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि इससे हुए जान-माल के नुकसान की जिम्मेदारी सरकार की भी है। पटवारी ने आरोप लगाया कि सर्वे में भी खामियां हैं और प्रशासन मामले को रफा-दफा करना चाहता है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि वे सही सर्वे कराने और मृतकों के परिजनों को उचित सहायता देने का निर्देश दें। दौरे के दौरान प्रभावित लोगों से चर्चा कर रहे जीतू पटवारी के सामने कई महिलाओं ने प्रशासन की लापरवाही और उपेक्षा को बयां करते हुए आक्रोश व्यक्त किया। कुछ महिलाओं ने अपने घर में सड़ चुके गेहूं दिखाते हुए प्रशासन और नेताओं के प्रति नाराजगी जाहिर की। उन्होंने बताया कि मदद के नाम पर नेता केवल पूड़ी के पैकेट देकर चले गए और स्थानीय विधायक भी उनकी समस्या सुनने नहीं पहुंचे। एक महिला ने रोते हुए बताया कि उसके घर के सारे उपकरण खराब हो गए हैं और ऑटो भी बह गया, जिससे उनका जीवनयापन होता था।

**जयवर्धन सिंह ने भी साधा निशाना**

इस दौरान पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि लोगों में भारी आक्रोश है, लेकिन उनकी पीड़ा सुनने के लिए न तो सांसद आए और न ही विधायक। उन्होंने कहा कि गुना, राघौगढ़ और बमोरी में फसलें खराब हो गई हैं, और किसानों को पिछले 5 साल से फसल बीमा का लाभ भी नहीं मिला है।

**सिंधिया पर कसा तंज:** जीतू पटवारी ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर तंज कसते हुए कहा कि वह कहते हैं कि विकास के लिए सडक़ों पर उतरेंगे। उनसे भी आग्रह है कि वह भी लोगों की पीड़ा सुनें। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो जैसे 2019 के चुनाव में जनता ने उन्हें जवाब दिया था, उसी तरह 2029 में भी जनता उन्हें जवाब दे सकती है। पटवारी ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस इस मुद्दे को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहती, लेकिन जहां लोगों को परेशानी होगी, कांग्रेस उनके साथ खड़ी नजर आएगी।

## बाइक सवार नकाबपोश लुटेरों ने कियोस्क संचालक को बनाया निशाना

**डंडों से हमला कर छीने 1.43 लाख रुपये**

**पुलिस ने रिपोर्ट के बाद की छानबीन शुरू**

नवभारत न्यूज

**गुना।** जिले के मधुसूदनगढ़ थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दिनदहाड़े एक सनसनीखेज लूट की वारदात सामने आई है। नकाबपोश बाइक सवार दो लुटेरे एक कियोस्क संचालक से करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी लूटकर फरार हो गए। घटना उस वक्त हुई जब कियोस्क संचालक उकावद में स्थित अपने सेंटर जा रहे थे। लुटेरों ने पीड़ित पर डंडे से हमला कर उसे घायल कर दिया और फिर बैग छीनकर मौके से फरार हो गए।

बैंक कियोस्क सेंटर के लिए जा रहे थे पीड़ित, रास्ते में घात लगाकर किया हमला

पीड़ित रितेश जैन मधुसूदनगढ़ के निवासी हैं और वे बैंकिंग सेवा से जुड़े कियोस्क का संचालन करते हैं। शुक्रवार सुबह वे बारोद से नगद राशि लेकर उकावद स्थित अपने कियोस्क सेंटर के लिए निकले थे। रास्ते में, जैसे ही वे भोपाल रोड पर उकावद के पास पहुंचे, तभी बाइक पर सवार दो अज्ञात युवक उनका पीछा करते हुए वहां पहुंचे और अचानक हमला कर दिया। लुटेरों ने पहले डंडे से उन्हें गिराया, फिर उनके पास रखा बैग छीन लिया। बैग में करीब 1 लाख 43 हजार रुपये नकद रखे थे। हमले में रितेश के चेहरे और नाक पर गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति स्थिर बताई गई है।

**चेहरे थे ढंके हुए, वारदात के बाद फरार हो गए आरोपी**

हमलावरों ने अपने चेहरे कपड़ों से ढंके हुए थे जिससे उनकी पहचान मुश्किल हो रही है। घटना की सूचना मिलते ही मधुसूदनगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के इलाकों में नाकेबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस ने रितेश की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने और संदिग्ध गतिविधियों की पड़ताल में जुटी हुई है।

**स्थानीय लोगों में दहशत, खुलेआम लूट से बढ़ा खौफ**

दिनदहाड़े हुए इस हमले से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों का कहना है कि बीते कुछ समय से इलाके में बाहरी संदिग्ध युवकों की आवाजाही देखी जा रही थी, लेकिन कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई। अब इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

### एक नजर में

**चांचौड़ा प्रवास पर आए भामस विभाग प्रमुख**

**बीनागंज।** भारतीय मजदूर संघ राजगढ़ विभाग के विभाग प्रमुख गोपाल शर्मा के चांचौड़ा प्रवास के दौरान शुक्रवार को बीनागंज में उनका भव्य स्वागत किया गया। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ, जिला गुना के अध्यक्ष कृष्ण गोपाल मीना के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों द्वारा उन्हें अंगवस्त्र भेंटकर और पारंपरिक साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके साथ उपस्थित भारतीय मजदूर संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता बापूलाल सुमन, अशोक कुमार मिश्रा और लख्खी मिश्रा का भी आत्मीय स्वागत किया गया। संघ पदाधिकारियों ने सभी आगंतुकों को सम्मानपूर्वक अंगवस्त्र भेंट किए।

कार्यक्रम के दौरान विभाग प्रमुख गोपाल शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय मजदूर संघ एक राष्ट्रवादी संगठन है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों के हितों की रक्षा करते हुए संगठन को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि चांचौड़ा को संगठन का नया जिला घोषित किया गया है और शीघ्र ही इस नवगठित जिले के अंतर्गत कुंभराज तथा मधुसूदनगढ़ तहसीलों में आयु सीमा के अनुरूप नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि संगठन का विस्तार ही उसकी शक्ति है, और भारतीय मजदूर संघ यह कार्य सतत रूप से कर रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से राष्ट्रहित और श्रमिक कल्याण को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर मोहन प्रसाद पालीवाल, जयप्रकाश शर्मा, हरिसिंह बुनकर, हुकुमचंद साहू, गोपाल बाबू मैथिल, रमेश चन्द, अभिषेक मीना, गोविन्द सिंह मीना सहित बड़ी संख्या में संघ के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# मंत्री के दौरे से पहले जागा प्रशासन, जेसीबी देखकर भड़के लोग

## दिखावटी सफाई पर न्यू सिटी कालोनी में हंगामा, अफसरों के आश्वासन के बाद माने लोग

नवभारत न्यूज

**गुना।** शहर की न्यू सिटी कॉलोनी में शुक्रवार सुबह उस समय हंगामा हो गया जब नगर पालिका की जेसीबी सफाई करने के लिए कॉलोनी पहुंची। दरअसल, बाढ़ के बाद कीचड़ और गंदगी से परेशान रहवासियों का गुस्सा इस बात पर फूट पड़ा कि पिछले तीन दिनों से कोई सफाई नहीं हुई और अब मंत्री के दौरे से ठीक पहले प्रशासन सक्रिय हुआ है। लोगों ने साफ कहा कि यह सफाई नहीं, सिर्फ फोटो खिंचवाने और दिखावे की तैयारी है। दरअसल मंगलवार को शहर में हुई भारी बारिश ने न्यू सिटी कॉलोनी को बुरी तरह प्रभावित किया। कॉलोनी के दर्जनों घरों में पहली मंजिल तक पानी भर गया था। हालात यह थे कि कुछ घरों में पांच से दस फीट तक पानी और कीचड़ जमा हो गया। बच्चों के स्कूल बैग, घरेलू सामान और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सब कुछ खराब हो गया।

**गुरुवार को किया था चक्काजाम, तब**

**भी नहीं जागा सिस्टम:**

बारिश के दो दिन बाद भी जब सफाई नहीं हुई, तो गुरुवार को कॉलोनीवासियों ने एबी रोड पर चक्काजाम कर दिया था। महिलाएं सडक़ पर बैठ गईं और तब तक रास्ता नहीं छोड़ा जब तक अधिकारियों ने लिखित आश्वासन नहीं दिया। इसके बाद सर्वे की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन सफाई फिर भी नहीं हुई।

**शुक्रवार को जेसीबी पहुंची तो भडक़े लोग**

शुक्रवार सुबह जैसे ही मंत्री के दौरे की खबर फैली, नगर पालिका की जेसीबी और कर्मचारी टीम लेकर पहुंच गई। यह देखकर रहवासी भडक़ गए। उनका आरोप था कि आम दिनों में कोई पूछने नहीं आया, लेकिन मंत्री आने वाले हैं तो दिखावटी सफाई की जा रही है।

**डिप्टी कलेक्टर और तहसीलदार को करना पड़ा हस्तक्षेप:**

हंगामा बढ़ता देख डिप्टी कलेक्टर, प्रभारी सीएमओ मंजुषा खत्री और तहसीलदार गौरीशंकर बैरवां मौके पर पहुंचे। उन्होंने रहवासियों से बात कर सफाई को लेकर आश्वासन दिया और कहा कि यह सिर्फ मंत्री के लिए नहीं, बल्कि पूरे कॉलोनी के लिए की जा रही प्रक्रिया है। अधिकारियों की समझाइश के बाद स्थानीय लोग माने और सफाई का काम शुरू हुआ। हालांकि रहवासियों की नाराजगी अब भी बनी हुई है। उनका कहना है कि जब तक नियमित सफाई नहीं होती, तब तक वे किसी भी च्दिखावटी कामज् को स्वीकार नहीं करेंगे।

## तुलसी जंयती पर कवि सम्मेलन का आयोजन

**कुंभराज।** नगर में संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के अवसर पर दिव्य और भव्य तुलसी जयंती महोत्सव का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नंदकिशोर शर्मा ने की, वहीं मुख्य अतिथि के रूप में सुरेंद्र कासट उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में भारत विकास परिषद के अध्यक्ष सुधीर शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहित कासट, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि कमलेश साहू, उपाध्यक्ष विक्रम मीणा तथा अग्रवाल समाज अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इस दौरान स्वर्गीय पंडित लक्ष्मीनारायण शर्मा की पुण्य स्मृति में मानस मनीषी सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें देवीलाल प्रजापति, बंटी शर्मा और मदनमोहन पालीवाल को मानस मनीषी के रूप में सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में स्वर्गीय श्री रामबल्लभदास कासट की स्मृति में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में नगर के 60 से अधिक प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को, जिन्होंने कक्षा 10वीं और 12वीं सहित प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, सम्मानित किया गया। न्यू ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के सहयोग से आयोजित मानस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 30 विद्यार्थियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। भारत विकास परिषद शाखा कुंभराज द्वारा आयोजित प्रश्न मंच कार्यक्रम में श्यामसुंदर विहानी ने मंच से 12 मानस प्रश्न पूछे, जिनके सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को परिषद के सदस्यों द्वारा पुरस्कृत किया गया। रात्रि में आयोजित भव्य कवि सम्मेलन कार्यक्रम का संचालन पंडित अशोक नागर ने किया। हास्य कवि दिनेश देहाती ने अपनी रचनाओं से लोगों को खूब गुदगुदाया, वहीं राहुल शर्मा ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत कविताओं के माध्यम से शौर्य का भाव जागृत किया। प्रसिद्ध कवि पंकज प्रसून ने अपनी सरस रचनाओं से श्रोताओं का मन मोह लिया। कवियित्री काव्या मिश्रा ने बेटियों की महत्ता पर प्रभावशाली काव्यपाठ किया, और अंत में अशोक नागर ने व्यंग्य और संदेश के साथ लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। यह कवि सम्मेलन देर रात 3 बजे तक चला और श्रोताओं ने अंत तक उत्साह के साथ इसमें सहभागिता की। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. गोविंद नारायण शर्मा ने सभी अतिथियों, कवियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

## जनपद सीईओ ने ली सेक्टर प्रभारियों की बैठक

**गुना।** जनपद पंचायत चांचौड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गिरिराज दुबे द्वारा समस्त सेक्टर प्रभारी अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्तमान समय में हो रही अत्यधिक वर्षा और उससे उत्पन्न आपदा की संभावनाओं को देखते हुए सुरक्षा, राहत और विकास कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में गिरिराज दुबे ने निर्देश दिए कि जनपद क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में नदी-नालों और पुल-पुलियों पर पानी आने की स्थिति में तत्काल बैरिकेडिंग की जाए। साथ ही, इन स्थानों पर दोनों ओर एक-एक वॉलंटियर तैनात किए जाएं जो आम नागरिकों को खतरनाक जलधाराओं में प्रवेश करने से रोकें। किसी भी प्रकार की बाढ़ या आपदा की स्थिति में जनपद पंचायत द्वारा स्थापित कंट्रोल रूम को तत्काल सूचित किया जाए, जिससे समय पर राहत कार्य शुरू हो सकें।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन हितग्राहियों को 6 माह से लेकर एक वर्ष पूर्व तक की राशि जारी की जा चुकी है, लेकिन फिर भी उन्होंने आवास निर्माण पूरा नहीं किया, उनके विरुद्ध अमानत में खयानत की धाराओं के तहत राजस्व वसूली प्रमाणपत्र तैयार कर प्रकरण संबंधित तहसील कार्यालय को भेजा जाए। वर्तमान में निर्माणाधीन आवासों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों से 100 प्रतिशत मजदूरी डिमांड लगाई जाए। जिन पंचायतों द्वारा इस कार्य में लापरवाही बरती जा रही है, उनके प्रस्ताव जनपद कार्यालय को भेजे जाएं ताकि नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

सीईओ दुबे ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की समस्याओं के समाधान हेतु जनपद कार्यालय में विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यदि किसी हितग्राही को आवास की किश्त प्राप्त करने, जिओ टैगिंग न हो पाने या अन्य किसी तकनीकी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हो, तो वे इस कंट्रोल रूम से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही ग्रामीणों को 100 प्रतिशत ई-केवाईसी करवाने के लिए प्रेरित करने और उन्हें आधार अपडेट, मोबाइल नंबर अपडेट जैसी तकनीकी जानकारियां ग्राम पंचायत स्तर पर प्रचार-प्रसार के माध्यम से उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

## विधायक प्रतिनिधि दिलीप शर्मा की माताजी का 105 वर्ष की आयु में निधन

नवभारत न्यूज

**मधुसूदनगढ़।** विधायक प्रतिनिधि दिलीप शर्मा की माताजी अयोध्या बाई शर्मा का शुक्रवार को 105 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे एक दीर्घायु, सरल स्वभाव एवं धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उनका निधन पारिवारिक एवं सामाजिक रूप से अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। अयोध्या बाई शर्मा अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गईं। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव मधुसूदनगढ़ के उकावड़ में किया गया, जहां बेटे दिलीप शर्मा ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंत्येष्टि में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, सरपंचगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। क्षेत्र के लोगों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

**दौरा** ग्राम फतेहगढ़ में वर्षा प्रभावितों लोगों से की चर्चा

# अतिवर्षा से प्रभावितों को मिलेगी हर संभव मदद : राजपूत

नवभारत न्यूज

**गुना** अतिवर्षा एवं बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए शासन,प्रशासन द्वारा हर संभव मदद की जाएगी। साथ ही नुकसान का सर्वे कार्य शत प्रतिशत पूर्ण कर मुआवजा राशि दिलाये जाने की कार्यवाही की जायेगी। प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने शुक्रवार को शासकीय बालक आदिवासी आश्रम फतेहगढ़ अति वर्षा से प्रभावित हुए नागरिकों से चर्चा के दौरान यह बात कही।

प्रभारी मंत्री श्री राजपूत ने कहा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही हैं। उन्होंने कहा बाढ़ में क्षतिग्रस्?त हुये

आवास, सामान, फसल सहित अन्य का सर्वे किया जा रहा हैं। सर्वे के बाद आपको 50-50 किलोग्राम गेहूं दिये जायेगें। अतिवर्षा से खराब हुई सड़कों को भी सुधारा जायेगा। एवं शासन प्रशासन स्तर से आप सभी को हर संभव मदद दी जाएगी।

प्रभारी मंत्री श्री राजपूत द्वारा बिजली, पानी, राशन वितरण के संबंध में जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देशित किया। उन्होंने बाढ़ से प्रभावित लोगों से फसलों को हुई क्षति के बारे में जानकारी लेकर सर्वे किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वे पूरा कर मुआवजा राशि दिए जाने

के निर्देश भी संबंधित अधिकारी को मौके पर ही दिए। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिकरवार, पूर्व मंत्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, जनपद अध्यक्ष गायत्री भील, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र किरार, सांसद प्रतिनिधि सुमेर सिंह, विकास जैन नखराली सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, पुलिस अधीक्षकअंकित सोनी, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक दुबे, एसडीएम गुना श्रीमति शिवानी पाण्डेय, तहसीलदार देवदत्त गोलिया सहित अन्य अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

## 78 साल बाद भी विकास से वंचित पारगढ़ गांव

**कुंभराज।** आजादी के 78 वर्षों बाद भी गुना जिले की कुंभराज तहसील के पारगढ़ (उमरिया) गांव में मूलभूत सुविधा के रूप में एक पुल तक नहीं बन सका है। कुंभराज से महज दो किलोमीटर दूर स्थित इस गांव के ग्रामीण हर दिन जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर हैं। बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। जब नदी उफान पर होती है तो यह गांव पूरी तरह टापू में तब्दील हो जाता है, जिससे ग्रामीणों को न सिर्फ बाजार और अस्पताल से कट जाना पड़ता है, बल्कि कई बार जान पर भी बन आती है। गांव में लगभग 60 घर हैं और करीब 300 से 350 की जनसंख्या है। सभी निवासी भील समाज से हैं और अधिकांश लोग मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। बारिश के मौसम में जब नदी का जलस्तर बढ़ता है, तो न केवल आवाजाही बंद हो जाती है, बल्कि

किसी के बीमार होने या गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे कई मौके आए जब मरीज समय पर इलाज न मिलने के कारण गंभीर स्थिति में पहुंच गए या जान तक चली गई। ग्रामीण बताते हैं कि वे वर्षों से पुल निर्माण की मांग कर रहे हैं। कई बार अफसरों और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपे गए, पत्र लिखे गए, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। चुनाव के वक्त नेता गांव आकर वादे करते हैं, मगर चुनाव जीतने के बाद कोई पलटकर झांकता तक नहीं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में कई बार जनहानि हो चुकी है, फिर भी आज तक पुल-पुलिया का निर्माण शुरू नहीं हुआ। अब गांववाले इस बात की उम्मीद कर रहे हैं कि मीडिया में उनकी आवाज उठने के बाद शायद प्रशासन और जनप्रतिनिधि हरकत में आएं और इस लंबे समय से चली आ रही समस्या का कोई स्थायी समाधान निकालें, ताकि ग्रामीणों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिल सके।